भारत सरकार

विदेश मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 4937

01.04.2022 को उत्तर दिए जाने के लिए

आजादी का अमृत महोत्सव

4937. श्री कोथा प्रभाकर रेड्डी:

श्रीमती वांगा गीता विश्वनाथ:

क्या **विदेश मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) 'आजादी का अमृत महोत्सव' अभियान के अंतर्गत भारत और विदेशों में आयोजित/आयोजित किए जाने वाले कार्यक्रमों का ब्यौरा क्या है;

(ख) इसके लिए पिछले एक वर्ष के दौरान उठाए गए कदमों सहित कार्यक्रम की वर्तमान स्थिति क्या है और महोत्सव के पूरा होने तक इन कार्यक्रमों को सफलतापूर्वक आयोजित करने के लिए क्या प्रस्ताव है; और

(ग) उस कार्यक्रम पर कितना व्यय किया गया/किया जाएगा?

उत्तर

विदेश राज्य मंत्री

(श्रीमती मीनाक्षी लेखी)

(क) और (ख) आजादी का अमृत महोत्सव (एकेएएम) भारत की आजादी के 75 वां वर्ष मनाने की एक पहल है। इसमें 'जन-भागीदारी' के रूप में नागरिकों/प्रवासियों की भागीदारी पर विशेष जोर देने के साथ 'सरकार का संपूर्ण' दृष्टिकोण शामिल है। विदेश मंत्रालय ने विदेश स्थित भारतीय मिशनों/केंद्रों के माध्यम से 12 मार्च 2021 से आजादी का अमृत महोत्सव समारोह की शुरुआत की थी। ये समारोह 15 अगस्त, 2022 से 75 सप्ताह पहले शुरू हो गए हैं और 15 अगस्त, 2023 तक जारी रहेंगे।

अब तक, आजादी का अमृत महोत्सव मनाने के लिए विदेश स्थित भारतीय मिशनों/केंद्रों द्वारा 6000 से अधिक कार्यक्रम आयोजित किए जा चुके हैं। आजादी का अमृत महोत्सव कार्यक्रमों में प्रवासी भारतीयों, भारत के मित्रों, स्थानीय सरकार और विख्यात व्यक्तियों की उत्सापूर्ण भागीदारी रही।

मंत्रालय ने 21 से 27 फरवरी, 2022 तक अपना आजादी का अमृत महोत्सव के रूप में गौरवपूर्ण सप्ताह मनाया, जिसके दौरान मंत्रालय द्वारा देश भर में कई स्मरणीय कार्यक्रमों और कार्यकलापों का आयोजन किया गया। भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद (आईसीसीआर), क्षेत्रीय पासपोर्ट कार्यालय, उत्प्रवासी संरक्षक और देश भर में स्थित शाखा सचिवालयों ने विभिन्न स्थानीय हितधारकों की भागीदारी से 200 से अधिक कार्यक्रमों का आयोजन किया। इस सप्ताह के दौरान, मंत्रालय ने पुणे इंटरनेशनल सेंटर, आरआईएस, सुषमा स्वराज विदेश सेवा संस्थान (एसएसआईएफएस), एडसिल और पुर्तगाल, आयरलैंड, इटली, स्पेन, फ्रांस, जर्मनी, बेल्जियम और यूके स्थित विदेशी आवासीय मिशनों की भागीदारी से कई कार्यक्रम आयोजित किए।

(ग) आजादी का अमृत महोत्सव कार्यक्रमों के आयोजन के लिए विदेश मंत्रालय को अलग से कोई बजट आवंटित नहीं किया गया है।

***